राजस्थान पत्रिका

Thursday, February 11th, 2010

'इंट्रो स्पेक्ट्रम' में बरसे संस्कृति के रंग

लस्य-2010 में जुटे देशभर से प्रतिभागी
कोलकाता के कॉलेज ने जीता खिताब

बेंगलूरु, 9 फरवरी। निम्हांस सभागार में सोमवार देर रात तक संस्कृति के रंगों की बरसात होती रही। मौका था लस्य-2010 का। दो दिवसीय अंतरमहाविद्यालयी महोत्सव में देशभर के कॉलेजों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। जैन विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित महोत्सव में विविध प्रतियोगताएं आयोजित की गईं। इंट्रो स्पेक्ट्रम यानि खुद के अंदर झांककर, नए विचारों को ढूंढने की थीम पर हुई नृत्य, लोक संगीत, नाटक, प्रश्नमंच सरीखी प्रतियोगिताओं में छात्रों ने दर्शकों व निर्णायक मंडली को रिझाने की कोशिश की। झंकार, द्याद, देसी पंख व उपासना नृत्य समूह की प्रस्तुति देख जहां लोगों के कदम थिरकने लगे, वहीं भारतीय शास्त्रीय संगीत व पश्चिमी संगीत की धारा को अपने साथ बहा ले गई। अल्ट्रा वॉयलेट रे व नुक्कड़ नृत्य आकर्षण का केन्द्र बने रहे। वहीं भेजा फ्राई व थीम क्विज प्रश्नमंच में पूछे प्रश्नों को सुनकर दर्शक सिर खुजलाते नजर आए लेकिन प्रतिभागियों ने करीब हर सवाल का जवाब दिया।महोत्सव में कोलकाता के भवानीपुर कॉलेज, बेंगलूरु के क्राइस्ट, सेंट जोसेफ, एमईएस, आरवी व माउंट कार्मेल समेत 35 कॉलेजों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। सभी प्रतियोगिताओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर भवानीपुर कॉलेज ने सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी का खिताब जीता। दूसरा स्थान बेंगलूरु के माउंट कार्मेल कॉलेज को प्राप्त हुआ।